DAILY 12:00

Fillerform Live NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य

इकाई-1 (भाग-16)

समास(पार्ट-3)

BY JYOTI MA'AM

NET Free Class

09:00 AM- GK Class

11:00 AM- Paper 1st

12:00 PM - Hindi 2nd

01:00 PM- History 2nd

02:00 PM- Paper 1st MCQ

03:00 PM- Commerce 2nd

06:00 PM- Sanskrit 2nd

08:00 PM - Computer 2nd

09:00 PM- Paper 1st DI

Fillerform

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

Quiz Start

UGC NET

Paper 1st & 2nd

Coming Soon

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

8209837844

हिन्दी सिलेबस

www.ugc-net.com

इकाई - I

हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्पूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

8209837844

www.ugc-net.com

समास

8209837844

समास

www.ugc-net.com

- समास= सम्(पास)+आस(रखना,बैठना)

समाज उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें दो या अधिक शब्द मिलकर उनके बीच के संबंधसूचक को आदि शब्दों का लोप करके नया शब्द बनाते हैं।

- समाज- संक्षिप्तीकरण/ छोटा करना

जैसे घोड़ा युक्ति गाड़ी- घोड़ा-गाड़ी

समाज में दो पद होते हैं:- 1)प्रथम पद(पूर्व पद) 2)उत्तर पद दोनों को मिलकर सामासिक पद या समस्त पद कहते हैं ।उत्तर पद और पूर्व पद के बीच में या तो योजक चिन्ह(-)लगाना चाहिए अथवा उन्हें एक मिलाकर लिखना चाहिए।

8209837844

www.ugc-net.com

समास के प्रकार

- अव्ययीभाव समास
- तत्पुरुष समास
- द्वंद समास
- बहुव्रीहि समास
- द्विगु समास
- कर्मधारय समास

1) **अव्ययीभाव समास:-** इस समास में दो शब्दों से मिलकर जो शब्द बनता है,अव्यय का काम करता है।अव्यय वे शब्द होते है जिनके रूप में लिंग,वचन,पुरुष,कारक,काल आदि के कारण कोई विकार/परिवर्तन उत्पन्न नहीं होता

- इसमे प्रथम पद प्रधान होता है।
- इसमे प्रथम पद अव्यय होता है।

उदाहरण: यथाशक्ति, प्रतिदिन, यथासम्भव, धड़ाधड़ भरपेट, हाथोहाथ, रातोरात

2) <u>तत्पुरुष समास:-</u> तत्पुरुष समास में पहला शब्द प्राय संज्ञा या विशेषण तथा दूसरा सर्वदा संज्ञा होता है।

इसके उत्तर पद (दूसरा पद) प्रधान होता है ।

तत्पुरुष तत्+पुरुष जैसे वह आदमी

तत्पुरुष समास के वैसे तो 8 भेद होते हैं लेकिन समाज विग्रह की जिससे हम इसके 6 भाग ही लेते हैं तथा समाज बनाते समय इसमें विपत्तियां जैसे (का,की, से आदि) का लोप होता है।

कर्म- की, करण- से ,संप्रदान- के लिए,को, अपादान- से (पृथक) संबंध- का,के,की,रा,रे,

- तत्पुरुष समास में कर्ता कारक और संबोधन कारक का लोप पाया जाता है।

कर्म तत्पुरुष समास-(को)

- रथचालक-रत को चलाने वाला
- ग्रामगत-ग्राम को गया हुआ
- माखनचोर-माखन को चुराने वाला
- वनागमन -वन को गमन
- जनप्रिय -जन को प्रिय
- मरणासन्न- मरण को आसन
- देशगत - देश को गया हुआ
- मुहतोड़ - मुँह को तोड़ने वाला
- जलपिपासु-जल को पीने की इच्छा रखने वाला

करण तत्पुरुष-(से,के द्वारा,के साथ)

- स्वरचित -अपने द्वारा रचित
- मनचाहा- मन से चाहा
- भुखमरी- भूख से मरना
- धनहीन -धन से हीन
- ज्वारग्रसित -ज्वार से ग्रसित
- रसभरी -रस से भरी
- भयाकुल- भय से आकुल
- आंखोंदेखी- आंखों से देखी
- व्यवहारकुशल-व्यवहारसे कुशल
- रेखाकिंत- रेखा से अंकित

संप्रदान तत्पुरुष समास-(के लिए,को)

- विद्यालय -विद्या के लिए आलय
- विश्रामगृह- विश्राम के लिए गृह
- प्रयोगशाला -प्रयोग के लिए शाला
- देशभक्ति -देश के लिए भक्ति
- सत्याग्रह -सत्या के लिए आग्रह
- देवालय - देवों के लिए आलय
- गौशाला -गौ के लिए शाला
- हथकड़ी- हाथ के लिए कड़ी
- गुरुदक्षिणा- गुरु के लिए दक्षिणा
- डाकगाड़ी-डाक के लिए गाड़ी

आपादान तत्पुरुष-(से, पृथक)

- कामचोर-काम से जी चुराने वाला
- पदच्युत-पद से अलग किया हुआ
- ऋणमुक्त-ऋण से मुक्त
- रोगमुक्त- रोग से मुक्त
- देश निकाला- देश से निकाला
- नेत्रहीन- नेत्रों से हीन
- पापमुक्त -पापों से मुक्त
- भयभीत- भय से भीत

संबंध तत्पुरुष समास-(का,के,रा,रे, री)

- राजपूत्र -राजा का पुत्र
- गंगाजल -गंगा का जल
- देवपूजा -देव की पूजा
- राजकुमारी -राजा की कुमारी
- रामानुज- राम का अनुज
- सेनापति- सेना का पति
- मूर्तिपूजा- मूर्ति की पूजा
- राजनीति-राजा की नीति
- देवालय- देव का आलय
- गंगातट -गंगा का तट

अधिकरण तत्पुरुष-(में, पर)

- कार्यकुशल -कार्य में कुशल
- वनवासी -वन में वास
- आनंदमगन -आनंद में मग्न
- दीनदयाल- दिनों पर दयाल
- सिरदर्द -सिर में दर्द जल
- मग्न- जल में मग्न
- अचारनीपुण- अचार में निपुण
- घुड़सवार-घोड़ो पर सवार
- दानवीर -दान में वीर
- गृहाप्रवेश- गृह में प्रवेश

8209837844 www.ugc-net.com

द्वंद समास:- जिस समाज में दो या तीन संज्ञाए हो और बीच में 'और' 'तथा' या इसी अर्थ के किसी दूसरे शब्द को निकाल कर जोड़ दिया हो

- दोनों पद प्रधान होते हैं
- इसमें योजक शब्द और आदि लोप हो जाता है।

- माता-पिता- माता और पिता
- भाई-बहन - भाई और बहन
- दादा-दादी - दादा और दादी
- अन्नजल - अन्न और जल
- सुखदुख - सुख दुख सुख
- पाप-पुण्य - पाप और पुण्य
- चावल-दाल - चावल और दाल
- राधाकृष्ण – राधा और कृष्ण
- रामलक्ष्मण - राम और लक्ष्मण
- गायबैल - गाय और बैल

बहुव्रीहि समास:- जिस समाज में कोई भी शब्द प्रधान ना हो और दोनों मिलकर किसी एक संज्ञा के विशेषण हो तथा उसको व्यक्त करें उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

◆इसमें तीसरा पद अर्थात भाव प्रदान होता है

- दशानन -दस है आनन जिसके अर्थात (रावण)
- पितांबर -पीला है जिसका अंबर अर्थात (कृष्ण)
- चतुर्भुज- (विष्णु)
- घनश्याम- कृष्ण
- लंबोदर- गणेश
- नीलकंठ- शिव
- अनंत- ईश्वर

कर्मधारय समास:-कर्मधारय समास इस समास में पहला पद विशेषण(उपमेय) ओर दूसरा पद विशेष्य(उपमान) होता है।

- नीलकमल - नीला है जो कमल
- चरणकमल - कमल रूपी चरण
- मृगनयनी - मेरे घर के सामान नयन
- चंद्रमुख- चंद्रमा के समान मुख
- गोबरगणेश -गोबर से बना गणेश
- वनमानुष - वन में रहने वाला मानव
- महात्मा - महान है जो आत्मा
- नवयुवक – नव है जो युवक
- लालमणि- लाल है जो मणि

8209837844 www.ugc-net.com

अव्ययीभाव समास	तत्पुरुष समास	द्वंद समास
पहला पद छोटा होता है/व उपसर्ग होता है प्रधान एक ही शब्द की आवर्ती	कारक चिन्ह का लोप दूसरा पद प्रधान छोटा	दोनों पद प्रधान और,या,अथवा बराबरी
आजन्म	रथचालक	माता-पिता
यथासंभव	माखनचोर	रात दिन
हाथों-हाथ	देशभक्ति	सुख-दुख

8209837844 www.ugc-net.com

बहुव्रीहि समास	कर्मधारय समास	द्विगु समास
कोई पद प्रधान नही। •दोनों को छोड़ो •तीसरा पकड़ो	पहला पद विशेषण बताता है। मन में प्रधान आए कैसा है?	संख्या वाले शब्द
दशानन रावण	चंद्रमुख	पंचरत्न
लंबोदर गणेश	नवयुवक	नवरात्रि
चतुर्भुज विष्णु	मृगनयन	चौराहा

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com